I, 109. — 6) nach einer Seite hin: म्रन्यतोघातिंन् schlagend ÇAT.BB. 1, 6, \$, 33. — 7) anderswohin: निर्न्यतंश्चिदारत RV. 1, 4, 5. गलव्यं वा तता उन्यतः M. 2, 200. ते उन्यता गताः MBB. in LA. 48, 7. तावदन्यता न्रज्ञानि РАЙКАТ. 21, 4. म्रन्यता उपि नयने — प्रेषयल्या तया ÇAK. 35.

अन्यतस्त्य (von अन्यतस्) m. Gegner: स य एतमेवमुपास्ते जिल्लुर्रुगयरा-जिल्लुर्भवत्यन्यतस्त्यज्ञायी ÇAT. BR. 14,5, 1,6. = BR. AR. Up. 2,1,6.

শ্বন্যা (von শ্বন্য) f. Verschiedenheit Çıç.4,55.

श्र-यँतोऽरूएय (श्रन्यतम् + श्ररूएय) n. bald da bald dort waldiges Land VS.30,19.

ষ্ঠন্যনাবান (শ্বন্যনান্ + বান) adj. an herumziehendem Winde (Rheumatismus vagus) leidend Suça. 2,324,20.

সন্দেশোদ (সন্মর্ + কাদ) adj. nach etwas Anderm begierig Манор. in Ind. St. 2, 6. — Vgl. স্বন্ধ্যাদ.

म्रन्यत्कार्क (म्रन्यद् + कार्क) P.6,3,99.

ন্ধন্যার (vonমন্যা) indecl. 1) = ম্পন্যান্দিন্ adj. und subst.: सुराज्ञि देशी राजन्वान्स्यात्ततो ऽन्यत्र (sc. देशे) राजवान् Ak. 2,1, 13. यो ऽनधीत्य दिजो वेद्मन्यत्र कुरुते स्रमम् M. 2,168. मोत्ते धीर्ज्ञानम्यत्र (sc. मोत्तात्) विज्ञानं शिल्पशास्त्रचा: (als appos. von म्रन्यत्र) A.K. 1, 1, 4, 15. नान्यत्र दातुं शक्या sie kann keinem Andern zur Frau gegeben werden V1D. 7. — 2) anderswo, an einem andern Orte: ना म्रक् प्र विन्दस्यन्यत्र सामेपीतये RV. 10,86,2. AV. 7,112. म्रन्यत्रायनिहित: ÇAT. BR. 5,1,4,10. यस् म्रन्यत्र चरेनाद्रियेत 3,6,2, मन्यत्राप्युक्तम् Pankar. 39, 3. abwechselnd mit क्वा-चित् und म्रपर्त्र R.3,15,27. mit einem abl.: यो उन्यत्रात्मन: ब्रद्ध वेट् u. s. w. Cat. Ba. 14,5,4,6. (= Ban. Âa. Up. 2,4,6.) यत्रैतद्न्यत्रास्मन्मन्यासे यद्येतर्न्यत्रास्मत्स्यात् Br. År. Up. 3,9,25. म्रपत्याधिकारार्न्यत्र लीकि-कमपत्यमात्रं गात्रम् P. 4, 2, 39, Sch. mit विना ausser: विना मलयमन्य-त्र चन्द्नं न विवर्धते Райкат. I, 47. — 3) bei einer andern Gelegenheit: तदाक्जर्यतप्रयाजानुयाजा मन्यत्र भवत्यय कस्माद्त्र न भवतीति ÇAT. Br. 14, 2, 2, 51. मधुपर्के च यत्ते च पित्रैवतकर्माण । स्रत्रैव पशवा व्हिस्या नान्यजेत्यब्रवीन्मनुः ॥ M. 5, 41. धातुः पृणु समादेशम् — धर्मार्यसाँकृतं यु-क्तमिक् चान्यत्र च तमम् R. 5,47,3. mit einem abl.: म्रतो नान्यत्र nicht in einem andern Falle, als in dem eben angeführten Çat. Ba. 14,2,2,47. विकर्णाविषयादन्यत्रापि सात्राणां धातूनां प्रयोगा भवति P. 3, 1, 82, Sch. Vop.8, 114. — 4) zu einer andern Zeit als, im comp.: क्रितना गनन प्रोक्तं प्रशस्तं जलरागमे । तर्न्यत्र (zu einer andern Zeit als zu dieser) तुर्-गाणा पत्तीना सर्वदेव हि॥ Hir.III,74. — 5) anders, auf andere Weise als, mit d.abl.: एतं बेव ते भूवो ऽनुट्याख्यास्यामि ना एवान्यत्रैतस्मात् und nicht anders, als es wirklich ist Kuind. Up. 8, 11, 3. ऋस्तीति ब्रुवती उन्यत्र कवं तद्रपल-यते wie erfasst man dieses anders, als dass man sagt: «es ist», Катнор. 6,12. — 6) anderswohin: मा खर्ट्यत्रं गतन RV. 7,59,5. 8,24,11. यज्ञं तद्न्यत्रात्मनः कुर्वित ÇAT. B.इ. ३,४,६, २५. स्रन्यत्र गच्क् वा N. 8, २०. РАЙ-ÉAT. 73, 16. 77, 24. I, 364. तित्वं न्नजनेनान्यत्र 116, 24. — 7) ausser, mit Ausnahme von, mit dem abl.; der ausgenommene Gegenstand ist aufzufassen: a) als nom.: देवा म्रन्यत्रैवाश्विभ्यां सत्त्रं निपंड: Çat. Ba. 14, 1, s,1. जस्ते भूयस्तरं कुर्याद्रन्यत्र पुरुषर्यभात् R.2,12,23. 66,5. यद्या फलाना पक्कानां नान्यत्र पतनाद्रयम् । एवं नरस्य ज्ञातस्य नान्यत्र मरुणाद्रयम् ॥ 103, 15. 4, 14. 22, 21. 5, 70, 3. 93, 32. MBH. 1, 8518. 3, 9342. 10007. — b) als acc.: म्रन्यत्र धर्माद्न्यत्राधर्माद्न्यत्रास्मात्कृताकृतात् । भ्रन्यत्र भूताञ्च

भट्याच्च यत्तत्पश्यासि तदद्॥ Клінор. २,१४. नानिवेख प्रकुर्वीत भृत्यः किं-चिद्पि स्वयम् । कार्यमापत्प्रतीकाराद्त्यत्र बगतीपतेः ॥ मार. ।।, ८६. सर्वे स्तुवित्ति — चरितं बदीयमन्यत्र — परिग्रकात् — देव्याः Влен. 14, 32. c) als instr.: तस्य नान्यत्र मानुषात् (durch Niemand ausser durch einen Menschen) । वधाद्रयम् R. 1,14,41. येज्ञार्धात्कर्मणा उन्यत्र लोका उद्यं कर्म-बन्धनः Внас. ३,९. न स्त्री पुत्रं द्खात्प्रतिगृह्णीयाद्या श्रन्यत्रानुत्तानादर्तुः Vasisarна in Datt. Miм. 3, 1. — d) als abl.: म्रयाचिताव्हतं याञ्चमपि डुष्क् तकर्मणः। म्रन्यत्र कुलराषण्ठपतितेभ्यस्त्रद्या ॥ Jáéé. 1, 215. — e) als loc. : म्रन्यत्रास्मन्युंच्यतु A v.6,26,3. मृत्यत्र बद्धे हुरे नि दंध्मिस 3,23,1. तस्य का मूलं स्यादन्यत्रात्रात् KHLND. UP. 6, 8, 4. ऋहिंसत्सर्वभूतान्यन्यत्र तीर्थेन्यः 8,13. परस्य दएउँ नोखच्केत्कुद्धा नैनं निपातयेत्। म्रन्यत्र पुत्राच्किप्याद्वाM.4, 164. न कि युद्धमिदं युक्तमन्यत्र ज्ञगतः तयात् 🗛 6.8,22. स पात्रेसमितो জন্মর भोजनान्मिलितो न यः Такк. 3, 1, 28. — Ganz ausnahmsweise erscheint ऋत्यत्र mit demjenigen cas. verbunden, den die Construction des Satzes erfordert, MBn. 1, 3239: नान्यत्र कुर्त्नर्मम भेद्नेन दृश्येत्कचा मद्रतः.

স্থান্ত্র কান্ত্র কা

ষ্ঠন্মহা (von দ্রন্ম) adv. 1) anders, auf andere Weise Med. avj. 37. न बी वर्ते श्रन्यया यहित्सींस स्तुता मुघम् १९४. ४, ३२, ४. ६, ३५, ५. इत्थम् चाद-यर्था Sv. I,4,1,2,3. तरेतावेचे सत्तावन्ययेवालभत्ते Ç.T. Ba. 5,5,2, 10. म्बन्यया चेतु wenn es sich anders verhält M. 8,230. नतत्र गतिर्न्यथा R. 5,65,11. वर्दि नान्यया मन्यसे Hir.21,22. यद्भावि न तद्भावि भावि चेन्न त-द्न्यया Hir. Pr. 28. नान्यया (so und nicht anders) am Ende eines Satzes verstärkt eine Behauptung: प्राप्यैतत्कृतकृत्ये। क् िहजो भवति नान्यया M.12,98. लह्मपास्य विनाशेन विनशिष्यानि नान्यवा R. 6, 82, 27. तरेततु मया कार्य क्रियते भुवि नान्यवा 2,21,36. सा वया सक् तत्राकुं यास्यामि प्रिय नान्यया 29, 10. शोकार्त्तस्य प्रवृत्तो मे झेको भवतु नान्यया 1, 2, 21. डुर्वाससः शापादियम् — त्रया प्रत्यादिष्टा नान्यवा Çix. 111, 6. Mit श्रतस्, इतम् oder ततम् auf eine davon verschiedene Weise: म्रय पे उन्ययाता विडः Kuland. Up. 7,28,2. एवं लिय नान्यवेती अस्ति न कर्म लिय्यते नरे lcor. 2. मतो उन्यवा प्रवृत्तिस्तु रात्तमा विधिरुच्यते M. 5, 31. — तु प्रकृरन् ८, ३००. — वर्तमानः ३७७. — न मे वासा वर्तते व्हर्ये काचित् N. 13, 44. — कार् R. 2, 106, 14. एतन्ज्ञानमिति प्रीक्तमज्ञानं वद्ती अन्यवा BBAG. 13, 11. विक्ति तु तता ४ न्यवा R. 4,21, 4. 2,52,52. H. 1365. म्रन्यवा — मन्यया anders — anders: यो ऽन्यया सत्तमात्मानमृन्यया — भाषते M. 4,255. R. 6,37,11. 됭-Ūᆀ 및 bedeutet anders werden, eine Veränderung erfahren: पद्मन्यया भवेत्वार्यम् R.5,56, 110. न क् देवतावचनमन्यया भ-विष्यति Райкат. 187, 1. यववे भावने लग्नः संस्कारे। नान्यया भवेत् धार Pr. 7. न व्हि धर्मी उन्यवा भवेत् KATHLSS. 5, 76. श्रन्यवा कार् anders handein: सो उन्यया न करिष्यति R. 2,37,30. मतो उन्यया करू 106,14. ändern: स्वभावा नापदेशेन शक्यते कार्तुमन्यया Райкат. I, 287. 288. कातात्त-विव्हितं कर्म यद्मवेतपूर्विनिर्मितम् । न शक्यमन्यया कर्तुं पिएउतैस्त्रिद्धेर्रापं ॥ Ver. 13, 8. eine Veründerung erfahren lassen, übertreten: तत्रादेशो नान्य-द्या कर्तव्यः Раббат.171,8. लया कदाचिद्पि मम वचनं नान्यद्या कृतम् du hast mir niemals Etwas abyeschlagen 206, 14. ममेट्झा मान्यया क्या: erfülle meinen Wunsch Kathlis. 22,51. vereiteln: लामें कुर्याच यो उन्यवा